भारत की राष्ट्रपति

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु

का

त्रिपुरा में कई परियोजनाओं की आधारशिला रखने और राष्ट्र को समर्पित करने के अवसर पर सम्बोधन

अगरतला, 12 अक्टूबर, 2022

राष्ट्रपति का पदभार संभालने के बाद पहली बार आप सब के बीच यहां त्रिपुरा में आकर मुझे बहुत खुशी हो रही है।

भारत की राष्ट्रपति के रूप में, जब मैंने विभिन्न राज्यों की यात्राएं आरम्भ की तो मैंने चाहा कि मैं शीघ्र ही पूर्वोत्तर क्षेत्र की यात्रा करूं। मुझे प्रसन्नता है कि आदि शक्ति के आशीर्वाद से मुझे अपनी आरंभिक यात्राओं में ही पूर्वोत्तर क्षेत्र में आने का सुअवसर मिला है। मेरी यह यात्रा एक नए राष्ट्रीय दृष्टिकोण और पूर्वोत्तर क्षेत्र के प्रति मेरे भावनात्मक अनुराग से प्रेरित है।

आज, भारत विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बन गया है। वर्ष 2025 तक, भारत को पांच Trillion Dollar की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य में त्रिपुरा सहित पूर्वोत्तर क्षेत्र की अहम भूमिका रहेगी। मुझे पूरा विश्वास है कि यहां के प्रतिभाशाली व परिश्रमी लोग विशेषकर यहां के युवाओं की aspirations, innovation और entrepreneurship की इस लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

देवियो और सज्जनो,

आज की परियोजनाओं से त्रिपुरा में connectivity, शिक्षा, न्यायपालिका और विधायिका को तो मजबूती मिलेगी ही, साथ ही, त्रिपुरा की समृद्ध संस्कृति को भी बढ़ावा मिलेगा। इन सभी परियोजनाओं के शुभारम्भ के लिए मैं आप सभी को बहुत-बहुत बधाई देती हूं। मैं त्रिपुरा के राज्यपाल श्री सत्यदेव नारायण आर्य जी, मुख्यमंत्री प्रोफेसर डॉक्टर माणिक साहा जी, उप-मुख्यमंत्री श्री जिष्णु देब बर्मा जी तथा राज्य सरकार की पूरी टीम की सराहना करती हूं।

शिक्षा के क्षेत्र में त्रिपुरा ने अपनी महत्वपूर्ण पहचान बनाई है। लगभग 87 प्रतिशत की दर के साथ त्रिपुरा साक्षरता की दृष्टि से देश के अग्रणी राज्यों में से एक है। यहां के engineering, medical, art और music से जुड़े शिक्षण संस्थानों में देश-विदेश के छात्र शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

आज, National Law University त्रिपुरा का शिलान्यास करके मुझे बहुत प्रसन्नता हुई है। NLU Tripura देश का 25वां नेशनल लॉ स्कूल है। पिछले तीन दशकों में National Law Universities ने कानून की शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आज अर्थव्यवस्था के विकास के साथ legal profession का भी कई आयामों में विस्तार हुआ है। मैं उम्मीद करती हूं कि NLU Tripura न केवल पूर्वोत्तर बल्कि पूरे देश में legal education के एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभरेगा।

भारत के युवाओं ने Information Technology के क्षेत्र में पूरे विश्व में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। आज, Indian Institute of Information Technology अगरतला के permanent campus का शिलान्यास करके मुझे प्रसन्नता हुई है। मुझे पूरा विश्वास है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत यह संस्थान एक holistic और multi-disciplinary

approach के साथ Information Technology के क्षेत्र में नए मापदंड स्थापित करेगा। राष्ट्रीय महत्व के इस संस्थान की त्रिपुरा में स्थापना के लिए मैं केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान जी, उनकी पूरी टीम और राज्य सरकार को बधाई देती हूं।

मैं मानती हूं कि राष्ट्रीय प्रगति तथा हमारे युवाओं के विकास के लिए एक समग्र शिक्षा प्रणाली आवश्यक है। उच्च शिक्षा के साथ-साथ हमें प्राथमिक शिक्षा पर और भी अधिक बल देना चाहिए। मुझे यह जानकर ख़ुशी हुई है कि पूर्वोत्तर विकास मंत्रालय ने त्रिपुरा की राज्य सरकार के साथ मिलकर 'विद्या-ज्योति मिशन 100' की शुरुआत की है। इस परियोजना के तहत, राज्य में स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता को मजबूत करने के लिए मौजूदा 100 उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों को अत्याधुनिक सुविधाओं और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा संस्थानों में परिवर्तित करने की शुरुआत की गई है। इस मिशन के तहत, आज कई स्कूलों के infrastructure development सहित बालिकाओं के लिए नए hostels के निर्माण का शिलान्यास करके मुझे विशेष प्रसन्नता हुई है। आज हमारी बेटियां हर क्षेत्र में देश का नाम रोशन कर रही है। मेरा मानना है कि हमारी बेटियों के आगे बढ़ने से ही समाज और राष्ट्र आगे बढ़ेगा।

आज इस कार्यक्रम में आने से पहले मैंने नरसिंहगढ़ में Tripura State Judicial Academy का लोकार्पण भी किया। उस academy में त्रिपुरा की न्यायिक व्यवस्था से जुड़े अधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इससे राज्य की न्याय व्यवस्था को बेहतर बनाने में सहायता मिलेगी। इसी प्रकार, आज जिस New Administrative Building का शिलान्यास कराया गया है उस भवन के निर्माण से राज्य-प्रशासन के अधिकारियों तथा कर्मचारियों को बेहतर working environment मिलेगा।

देवियो और सज्जनो,

त्रिपुरा सहित पूर्वोत्तर क्षेत्र में विकास की असीम संभावनाएं है। आज केंद्र और राज्य सरकारों के सहयोग से highway, railway, airway तथा waterway के कई नए प्रोजेक्ट्स से यहां की प्रगति को एक नई गति मिल रही है। आज मुझे पूर्वोत्तर विकास मंत्रालय की विभिन्न सड़क परियोजनाओं का शिलान्यास करके प्रसन्नता हुई है। इससे यहां व्यापार बढ़ाने तथा स्थानीय लोगों और पर्यटकों के आवागमन की सुविधा बढ़ेगी। त्रिपुरा और पूर्वोत्तर क्षेत्र के लोगों के आवागमन को और सुगम बनाने के लिए, कल दो महत्वपूर्ण रेलगाड़ियों का शुभारम्भ करने का अवसर भी मुझे प्राप्त होगा। इन ट्रेनों से अगरतला को गुवाहाटी, कोलकाता और खोंग-सांग के साथ जोड़ा जा रहा है। रेल मंत्रालय की इस उपलब्धि के लिए मैं रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव जी तथा उनकी पूरी टीम को बधाई देती हूं।

देवियो और सज्जनो,

आज पुष्पबन्त पैलेस में महाराजा बीरेंद्र किशोर माणिक्य संग्रहालय और सांस्कृतिक केंद्र का शिलान्यास करके मुझे बहुत प्रसन्नता हुई है। मुझे बताया गया है कि गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर त्रिपुरा की अपनी यात्रा के दौरान पुष्पबन्त पैलेस में कई बार रुके थे। गुरुदेव के परिवार और त्रिपुरा राजघराने में गहरे सम्बन्ध भी थे। आज के कार्यक्रमों का आयोजन रबीन्द्र शत बार्षिकी भवन में होना सर्वथा प्रासंगिक है। मैं कामना करती हूं कि महाराजा बीरेंद्र किशोर माणिक्य संग्रहालय और सांस्कृतिक केंद्र त्रिपुरा की कला, गीत-संगीत और यहां की संस्कृति को लोकप्रिय बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

मैं त्रिपुरा के विकास से जुड़ी सभी परियोजनाओं की सफलता के लिए हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं। मैं राज्य के समग्र विकास और सभी निवासियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करती हूं।

धन्यवाद,

जय हिन्द!

जय भारत!